

11.2.20

पातागली प्रेशा ड्रि वनील बादी देवत गुमार
उपाधीत। वनील बादी के प्रार्थना का प्रारम्भ
ही आई प्रार्थना प्रत विद्रा करने की प्रार्थना की।
बादी का प्रार्थना ही आई से आगे कामासही गद्दी
का हता है व ही आई विद्रा करना चाहता है,
आनुमति की जाती है ही आई विद्रा करने पर
लाटिक किया जाता है। ही आई बादी विद्रा
करने पर लाटिक किया जाता है। जोदेश
दुर्लभ साधनाम से मुजाभा जमा। पातागली
गम्बर से लाग खेगा दामिले गम्बर ही।

[Signature]

इसके 2/3
11/2/2020
Identified
by me
Ravi
(विशाना रमा)
11-2-2020

